दैनिक भास्कर

सफेद दूध का काला कारोबार:दभैरा में 12 साल से बनाया जा रहा था नकली दूध-घी, मालनपुर में नाेवा कंपनी के प्लांट पर सप्लाई करता था

दतिया/इंदरगढ़

इंदरगढ़ तहसील के ग्राम दभैरा में सफेद दूध और घी बनाने का काला कारोबार 12 साल से चल रहा था। मुख्य आरोपी रामबाबू पटसारिया अपनी डेयरी पर नकली दूध और घी बेचने के साथ ही मालनपुर में नोवा कंपनी के प्लांट पर भी यही नकली दूध सप्लाई करता था। आरोपी ने पूरे गांव में दहशत बना रखी थी ताकि कोई उसकी शिकायत न करे।

एक साल पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने आरोपी की इंदरगढ़ में कामद रोड स्थित डेयरी से दूध का सैंपल भी लिया था। यह सैंपल जांच में फेल भी हुआ था। इस मामले में सिर्फ जुर्माना कर आरोपी को छोड़ दिया गया। यही कारण है कि आरोपी नकली दूध और घी बनाने का काला कारोबार लगातार बढ़ा रहा था।

दैनिक भास्कर टीम बुधवार को दभैरा गांव में पहुंची तो यह चौंकाने वाली जानकारी मिली। गांव में तलघर में दूध और घी बनाया जाता था। तलघर इस प्रकार बनाया गया है कि बाहर से यह पता नहीं चलता था कि यहां नकली दूध या घी बनाने जैसा कोई काम भी होता है।

सेंवढ़ा एसडीएम अनुराग निंगवाल ने खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर मंगलवार को ग्राम दभैरा में रामबाबू पटसारिया के घर पर दबिश दी थी। दबिश के दौरान प्रशासनिक अफसरों की भी पटसारिया के घर के अंदर घुसने की हिम्मत नहीं पड़ी थी।

अनहोनी की आशंका के चलते मौके पर पुलिस फोर्स बुलाया गया। पुलिस फोर्स के साथ अफसर अंदर गए तो वहां यूरिया, मिल्क पाउडर, वॉशिंग पाउडर, रिफाइंड ऑयल, रासायनिक खाद, मोम, तेजाब आदि सामग्री मिली जिसका उपयोग दूध और घी बनाने में होता था। आरोपी के यहां जो मजदूर काम करते थे, उनके यहां भी दबिश देने पर नकली दूध बनाने का सामान रखा मिला।

प्रशासनिक अफसरों ने पटसारिया के अंदर के कमरों को सील कर दिया और कुछ सामान इंदरगढ़ पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया। बुधवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश निम ने मिलावटी दूध और घी बनाने के मामले में आरोपी रामबाबू पटसारिया और उसके भतीजे राजेंद्र पटसारिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। वहीं आरोपी और उसके यहां काम करने वाले मजदूर अपने-अपने घर से लापता हैं।

मजदूरों के यहां ज्यादा बनवाता था नकली दूध

दैनिक भास्कर टीम बुधवार को आरोपी पटसारिया के गांव दभैरा में पहुंची। पहले तो गांव के लोग इस बारे में मुंह खोलने को तैयार नहीं थे लेकिन कुछ देर रुककर बातचीत करने पर ग्रामीणों ने दबी जुबान से बताया कि पटसारिया 12 साल से नकली दूध और घी बनाने का काम कर रहा था। वह अपने मजदूरों के यहां सबसे ज्यादा दूध और घी बनवाता था फिर लोहे की टिन में भरवाकर बिना स्टीकर चस्पा किए मालनपुर में नोवा प्लांट पर सप्लाई करता था। वह गांव के लोगों को डरा धमकाकर रखता था ताकि कोई उसके खिलाफ आवाज न उठाए।

राजगढ़ चौराहा, बुंदेला कॉलोनी, उनाव व सेंवढ़ा रोड पर भी जांच की जरूरत

वैसे तो जिले के हर कस्बाई इलाके में दूध डेयरी फल फूल रही हैं। लेकिन सबसे ज्यादा दूध डेयरी दतिया शहर में हैं। शहर के गोविंद गंज में तो पूरी मार्केट ही दूध की है। इसी तरह राजगढ़ चौराहा, बुंदेला कॉलोनी, उनाव रोड, सेंवढ़ा रोड, ठंडी सड़क आदि जगहों पर भी दूध डेयरियां संचालित हो रही हैं। यहां से प्रतिदिन वाहनों में भरकर लाखों लीटर दूध बाहर भेजा जाता है।

डोर टू डोर बिकने वाले दूध की कीमत 50 रुपए लीटर है जबकि डेयरियों पर दूध 35 से 45 रुपए लीटर बड़ी आसानी से उपलब्ध है। यहां भी नियमित जांच करने की आवश्यकता है। दूध की डिमांड लगातार बढ़ रही है। जबकि जिले में पशु पालक कम हैं। दूध की उत्पादकता खपत से कहीं ज्यादा है। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर इतना दूध आ कहां से रहा है।

एक साल पहले भी फेल हो गया था दूध का सैंपल

दभैरा निवासी पटसारिया की इंदरगढ़ में कामद रोड पर डेयरी है। यहां किराए से मकान लिए हुए है और यहीं दूध व घी बेचने का काम करता है। एक साल पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने उसकी डेयरी से दूध का सैंपल लेकर राज्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा था।

जांच में सैंपल अमानक पाए जाने पर जुर्माना किया गया लेकिन बारीकी से जांच नहीं की गई। यही कारण रहा कि पटसारिया लगातार गांव में नकली दूध और घी बनाता रहा। एसडीएम सेंवढ़ा ने सख्ती दिखाई तब यह काला कारोबार पकड़ में आया।

अब विस्तार से जांच करेंगे

एक साल पहले हमने सैंपल लिया था और फेल होने पर जुर्माना लगाया था। अब एफआईआर करा दी है। आरोपी मिलावट का माल मालनपुर में नोवा प्लांट पर सप्लाई करता था।

Source: https://www.bhaskar.com/local/mp/gwalior/datiya/news/fake-milk-ghee-which-was-being-made-in-dabhaira-for-12-years-supplied-at-the-plant-of-nava-company-in-malanpur-128144817.html